

स्पन्दन

भास कोंकणी आवसु आमची। लिपि देवनागरी उडगासु दवराची।।

Date of Publication : 1st MARCH 2019











केरळ कोंकणी अकादमी

कोच्ची

पाँच रुपया

स्पन्दन

प्रकाशन : केरळ कोंकणी अकादमी, कोच्ची

SPANDAN
Published by :
KERALA KONKANI ACADEMY
8/28, 'Santhery', 1st Floor,
Opp. M.S.C. Bank Ltd., Cherlai Road,
Cochin - 682 002. Mobile : 94477 35849
Email : keralakonkaniacademy@gmail.com

खंड : 8 | अंक : 3 | 1940 फालगुन

मुखचित्र : 27.1.2019 क टि. डी. हाईस्कूल सभाघर, कोच्ची हंगा जल्लेले "स्पन्दन" मासिकेचे 100 वें अंकानुबन्ध जाव्नु अस्सिले आयोजाचि चित्रँ।
(आभार : एन. बालकृष्ण मल्या, कोच्ची)

प्रति - ₹ 5/-
वार्षीक - ₹ 60/-

संपादकीय

ह्यो "स्पन्दन" मासिकेन शतक पूरा केल्लें। व्होड कार्य केल्लें अस्सि अम्मि संगनायि। जल्यारीयि, जाण जाव्नु रब्बूक मात्र एदीं कायरीं संगतायि।

- ❖ शेम्बरि अंक निर्विघ्न पुर्ते केल्लें। हज्या फूडे/ मुर्थम केरळान्तु खंच्चे मासिकेकयि तें साध्य जल्लेले ना।
- ❖ केरळ-कर्नाटक-गोंय संस्थानान्तुले सरकार तलारि अस्सिले संस्थेंक सरि मासिका देवोंव्वाक जल्लेले ना। जाय्ना। सरकाराले सहकरण नत्तिलें यी मासिका मुक्कारि वत्ता केवल तुम्चे - वाचप्यालें अनि परस्य/ विज्ञापन दिंवचांले सहकरणान मात्र तँ।
- ❖ 'वणति अस्स जल्यारि न्हवें बोरोव्यात?' म्होणु सांगप अस्स। तें साध्य केल्लें।
- ❖ साहित्य समाराधना साध्य केल्लें।
- ❖ कोंकणी प्रचार, देवनागरि लिपियेक मानु दीव्नु, देशभर पावचे लेकान प्रयत्नु जल्या।
- ❖ ◆............◆..........◆............◆..........

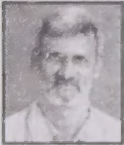
'केल्लेल्या पसि चड कोरूक पळ्यां' म्हळेले अम्का बोध्य अस्स। व्होड-व्होड वाग्दान दीनायि। साध्य जांव्चे सग्ग अम्मी करतनी म्होणु मात्र तुम्का आश्वासन दित्तायि। ।। जय कोंकणी।।

कोच्ची, 01-03-2019 — सुरेश ए. शेणै, मुखेल संपादक.

"स्पन्दन" मासिकेचे 100 वें अंकानुबन्ध जाव्नु अस्सिलो आघोषु 27.1.2019 क टी.डी. हाईस्कूळान्तु दवोर्नु जल्लो। कु. ऋषिका वी. प्रभुले प्रार्थनानन्तर एन. एन. आनन्दन, एल. सुनीता बाई, आनंदी-मुम्बई अनि पी. मनोहर हंगेले निधना पसून अडॅ. वी. एन. वसन्तकुमार हन्नि जाणकारि दिल्ली अनि तंगेले आत्माक शान्ति मेळचाक मौन प्रार्थनाय जल्ली। पी. एन. कृष्णन अध्यक्ष जाव्नु अस्सिले कार्यक्रम बहु. जस्टिस एन. नगरेष (केरळ उच्चन्यायालय) हन्नि उद्घाटन केल्लें। 100 वें अंकाचे औद्योगिक प्रकाशन अनि 2018 चे पण्डरीनाथ भुवनेन्द्र पुरस्कार विजेता उषा आर. भट हंका पुरस्कार वितरणयि केल्लें। प्रो. जी. मोहन रावु, ओलयिल जी. बाबु, डॉ. हरीन्द्र शर्मा, आर. गोपिनाथ नायक, अडॅ. एम.ए.टी. पै, मोहनराज शेट, श्यामळा एस. प्रभु, एन. के. प्रभाकर नायक, आनन्द जी. कमत्त, चन्द्रबाबु शेटी हन्नि उल्लेंयलिं। पद्मश्री एन. पुरुषोत्तम नल्या, सुरेश ए. शेणै, के. अनन्त भट, आर. एस. भास्कर हंका आदर केल्ले। प्रश्नोत्तरी मत्सराचे विजयींक अनि भागु घेत्तल्यांक पुरस्कार वितरण केल्लें। टी. आर. सदानन्द भट हन्नि स्वागतयि, के. विजयन हन्नि कृतज्ञतायि संगीलि। कार्यक्रमानन्तर "अन्तु" कोंकणी चलचित्राचे प्रदर्शनयि जल्लें।

दूरदर्शन अनि कोंकणी ❁ 25.1.19 बंगळूरु दूरदर्शन (चन्दना) :- 'कोंकणी सिरि'- वळ्ळी वाघा, मैसूर हन्नीयि जाव्नु कासरकोड चिन्नान घेत्तिलें अभिमुख अस्सिलें।

❁ 14.2.19 पण्जी दूरदर्शन :- "कविता" ह्या विषयारि परेश नरेंद्र कामत (2018 साहित्य अकादेमी विजेता) हन्नीय जाव्नु "फोन इन कार्यावळ" अस्सिल्लि।



साहित्य अकादेमी अनुवाद पुरस्कार - 2018 (कोंकणी कृतींक अस्सिले) राजवाडे लेखसंग्रह (निबंध) - नारायण भास्कर देसाय (विश्वनाथ के. राजवाडे हंगेले मराठी पुस्तकाचे अनुवाद)

एप्रिल 2019 थकून, स्पन्दन मासिकेचे मोल एक प्रति - 10 रूपया, एक वर्षाक - 100 रुपया।



महात्मा गान्धी सर्वकलाशालेचे एल.एल.बी. (त्रिवत्सर) परीक्षेन्तु कु. स्मृति एम. किणी (अञ्जलि किणि) क दुसरे रांक। कोच्चीचे एस. मनोहर किणि अनि आशा हंगेलि सुपुत्रि।

संत केशवदासालि
हितोपदेश कथा – 44

प्रो. वी. शिवानन्द भट,
पंचाब्जपुरम

जड़ भरतालि कथा

राजा जड़ भरत तगेले पूर्वजन्मान्तुले अन्तिम जन्मान्तु मन्दबुद्धि जाव्नु अभिनय करतालो अनी जीवनान्तु पूरा प्रकृतीचे नियमांचे पार असतालो। तका जन "जड़ भरत" अथवा "सशरीर जीवन कडचो परन्तु पाप-पुण्य, धर्म-अधर्म, सुख-दुःख आदि विपरीत-द्वंद्वाचे पार जीवन कडचो" म्हणु उळदितानी। निज शरीर वगळेंचि म्हणु लेकूनु तो तज्जे पृथक जाव्नु रबतालो। शेळवोतु-गीमु, सन्तोषु-पीडा हन्तु खंचाचो प्रभावु तजेरि ना अस्सिल्लो। तगेले सहोदर तो बुद्धिहीन म्हणु लेकूनु तज्जेकरान गृहकार्य करयताले, तें कार्य तो क्षीणित जाव्नत्तिल्लें करतालो; तें कोरनु जाव्नु तका एक मनीषु म्हणु लेकचे लोकान्तुले जनालें अज्ञान स्मरण कोरनु होडान हसतालो। श्रीमद् भगवद्गीतान्तु असलेचि अवस्थेचें वर्णन अस्स। "सर्व जीवांक राति अस्सिल्ले समयारि दिव्य ज्ञान अनी परम आनन्दाचे अवस्थेन्तु आत्मज्ञानी योगी जाग्रत असता। तशीचि परिवर्तनशील, अस्थिर लौकिक सुखाचे अवस्थेन्तु सर्व प्राणी जाग्रत असतना आत्मज्ञानी योगीक ती राति असता।"

गृहकार्य कोरूक अयोग्य म्हणु लेकूनु सहोदरानि भरताक गजनीचे (Field) संरक्षणाचें काम दिल्लें, परन्तु जड़ भरत थंगा अनेक मास खाण, उद्दाक अनी नीद नत्तिलें बेसलो। एक दिवसा एदे चोर तंगेले भीषण मूर्तीक नरबलि दिंवचाक जड़ भरताक धोर्नु बन्दूनु मार्नु तंगेले स्थलारि घेव्नु गेल्ले। भयंकर काळीमूर्ती मुक्कारि तगेले मत्तें बवगेयलें अनी तन्तु एकल्यान तगेले गळच्छेदना बगेक खण्डें उबारलें। कित्ति जत्ता म्हणु कोळनत्तिल्लें तो अमर योगी पूरा समय हसूनु राबलो। ते वेळारि सहसा खड्गाचे आवरणान्तु थकूनु प्रत्यक्ष जाव्नु काळीमातान ते चोराचे हातान्तु थकूनु खण्डें उप्पूनु काणु निज भीषण दृष्टीन तका भस्म केल्लो। हें दिकूनु अन्य चोर जीवु घेव्नु धाव्नु गेल्ले। तदनन्तर योगी जड़ भरताक अनुग्रहु दीव्नु देवी अप्रत्यक्ष जल्ली। श्रीमद् भागवतान्तु हें कथा-वर्णन अस्सा। निज संपूर्ण जीवनान्तु जड़ भरत केवल एकवळे उल्लेयला; रहुगण रायाक सर्वोत्तम ज्ञान प्रदान कोर्चे वेळारि मात्र। योगीजनालें चरित्र अद्भुत अनी विचित्र। संसाराचे आसक्तीन्तु थकूनु वंच्चूक योगी जडवत् व्यवहार करता।



हें तुमका कळता व्हे?

कोंकण्यांगेले आचार-विचार

- सुशीला त्रिविक्रम भट, कोच्ची

"दायदीसु अथवा जन्म दिवसु..."

चेरडालें प्रथमलें जन्म नक्षत्र चांग आघोषान तां अधिक जनय चमकयतलिं. आचार-अनुष्ठाना लेक्कान जन्म दिनाक देवाली पूजा, होमु, दिव्वे दक्कवप, शेष (श्रेयस) भरप, चेरडाक पारितोषिक दीवप, बन्धु-बांधवांक, इष्ट मित्रांक सग्ग मृष्टान्न भोजन दीवप अनिक सग्ग अस्स. एक्केक जत्तीचे जनानी मेणावाति लावनु, सोंतु कोरनु, गन्धा वाती लावनु सग्ग जन्म दिनाघोषु कोरचे कडे तां अमगेलीं जनां होमु कोरनु कार्यक्रम चमकयताय.

श्री व्यासस्तुति

- पी.एल. श्रीनिवास प्रभु, कोट्टयम

हरिद्वारान्तु अस्स मु देवळ
श्री वेदव्यासाले देवळ (2)
पवित्र गंगेतीरेरि
श्री काशीमठाचो देवु
वेदव्यासु वेदव्यासु
ज्ञानाचो उज्वाडु दिल्लोलो देवु
वेदव्यासु वेदव्यासु
पराशरमुनी-सत्यवतीलो पूतु
चारि वेदांचो नाथु
भागवतकारु देवु व्यासदेवु
दर्शन दीरे भक्ति दीरे
ज्ञानॅ दीरे व्यासदेवा
अम्का व्यासदेवा
नमस्कारु तुक्का नमस्कारु ⌘



केरळेश्वर

- टी. उमेश भट, कोच्ची

भक्तजन रक्षका परमेश्वरा
शंभो महादेवा जगदीश्वरा
साम्ब सदाशिवा महेश्वरा
केरळेश्वरा वासुकेश्वरा।।

पवित्र तुगेलें नाम स्मरण
नित्य जपेन पाप निवारण
सर्व लोकान्तु ॐकार श्रवण
नमः शिवाय मोक्षाक कारण।।

जीवनांतु भोगिताय अनेक कष्ट
शान्ति समाधान जल्यां नष्ट
देवा मेझेरि जावंका सन्तुष्ट
सफल कोर्का तूवें मेझे अभीष्ट।। *

संत कबीरदास दोहा -



एन. लक्ष्मण मल्या, कोच्ची

"कबीर कहता जात है, सुनता है सब कोइ।
राम कहे भल होइगा नहिं तर भला न होइ।।"

कबीर संगता, बराबर संगता अस्स। सग्ग मेग्गेलीं उत्तरँ अयकतायि, जल्यारी मेग्गेले उपदेशानुसार कोण आचरण करना। मेग्गेलें संग्गप येंची तँ देवाले स्मरणान मात्र तँ चंगपण जत्तलें।



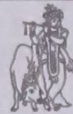
कार्तिकामृत

सुरेश वी. शेणै, कोच्ची

कार्तिक मासान्तु पवित्र तुळसीन्तु
श्रीविष्णु चैतन्य दिव्यस्मरणॅ
पञ्चशुद्धीन शुभ्रवस्त्रान
निर्माल्य दर्शनॅ तेंचि पुण्यॅ (कार्तिक)

सहस्त्रपुष्पान सर्वालङ्कारु (तुका)
सहस्त्रदीपान सर्वें प्रकाशु (भरता)
सहस्त्रनामान मेळता आनन्दु तो
सहस्त्र भक्तांक जत्ता जीविताभिलाषु (कार्तिक)

नवरत्न सुन्दरॅ सुवर्ण किरीट
नयनमनोहरॅ सुवन्दित रूप
श्रवणमधुरॅ तुजें नामसंकीर्तनॅ
अथर्वशीर्षादि स्तोत्र अमृततुल्यॅ (कार्तिक)



पाहिमुकुन्दा

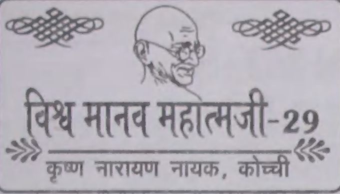
- लता रंग मल्लन, माळा

पाहि मुकुन्दा परमानन्दा
पापविनाशका गोविन्दा
परमात्मा तू पावूंका
पाद तुज्जि शरण अम्का (2) (पाहि)

मन्त्र सदा दीन तुक्का
माया तुज्जी जाँका अम्का
मायारूपा मानुष वेषा
मदनगोपाला गोविन्दा (2) (पाहि)

पालन करि तू देवा अम्का
पालापिमथना* गोविन्दा
पार्थसारथि जल्लेले कृष्णा
पादारविन्दा गोविन्दा (2) (पाहि)

पालापिमथन- क्षीरसागर (समुद्र) मंथन



"कस्तूर्बाक प्राण प्रतिसन्धि"

दक्षिण आफ्रिक्यान्तु आसतना कस्तूर्बाक शस्त्रक्रियेक आसपतालान्तु व्होर्का जालें। क्लोरोफोम दिंवचाक निविर्ति ना तितूले क्षीणित देह। जल्यारीय शस्त्रक्रिये समयारि संयमारि राबिलि कस्तूर्बा। शस्त्रक्रिये उपरान्ते कस्तूर्बा विवश जालि। मरणासन्न जल्यां वे ? - भय दिस्सलें। गोमांस रसायन खण्डित कळ्यारि मात्र जीव वांचता म्हुण डाक्टरान जाणैलें। ताका अनुकूल राबूक गान्धीजीक एदें मन्न ना। फूडे पूत मणिलालाक एक असुख एंवचाकयि कुंकड खावौंका म्हणूकयि जावना-नज्ज म्हुण गान्धीजीन हठात सांगीलें तं। आहार व्यवस्था सांगिले तकीत पर्तिनायि जल्यारि कस्तूर्बाक आस्पतलान्तु थाकून सोडौन व्होरूक डाक्टरान आज्ञायि दिल्लि। गान्धीजीक हुस्को जालो। कस्तूर्बा लगीचि गान्धीजीन अभिमत निंवगीलें। व्यक्ति स्वातंत्र्य दाम्बूचेंयि अनुचित चोय्यायि। मर्ता जल्यारि मोरो गोंमांस रसायन सेवन कोर्चो प्रश्नूचि ना म्हुण कस्तूर्बान खुल्ला सांगीलें मात्र न्हंय आस्पतल्यान्तु थाकून तवळी बायर सर्ली।

बायर धारांधारें पावसु पडतालो। फोनिक्स संकेतान्तु पर्तूक उजाबाण्डीरि वोचूका। स्टेषन आस्पतलान्तु थाकून बहु दूरा। हाड्डां पन्जीर्या रूप कस्तूर्बालें, निश्चयान रिक्षारि स्टेषनान्तु बायर सर्लि। गान्धीजीलें मन्न चिके व्यस्त जल्यांवे ? - कस्तूर्बाक दिस्सलें। सांत्वने उत्तरं आरांभीलिं - "कांयि बेजार नाका, माका एक सद्दें जावना।" फोनिक्स स्टेषनान्तु बाण्डि पावलि। थांगाचे कर्षक मित्र उनसें दूध घेवनु राबल्यांयि। व्होर्च बगेक खटळें तैयार केल्यां। सूक्ष्मतेन गान्धीजीन कस्तूर्बाक परिचरण आरांभीलें। स्वास्थ्य चिन्न जालें। छट्टिने दुस्सेरि फौरेलें। एक केल्यारि भेदु जायना। मीट धान्य खांवचे सोडूक गान्धीजीक उपाय दिसलो। पूर्ण तस्सि जांवचाक तांकून्ना म्हुण कस्तूर्बा मनान्तु ! गान्धीजीक तस्सि तांकत वे म्हुण वैराग्यान कस्तूर्बान जाप गल्लि। तें अयक्किल्लेंयि हर्षान गान्धीजीन सन्दर्भु घट्टि धर्लो, अपण मीट धान्य सोडता म्हुण प्रतिज्ञा कळ्ळीचि। भर्तारालो तो निर्धारु कस्तूर्बाक मर्मस्पर्शि जालो। अपण कर्ता पुण गान्धीजीन त्या व्रतान्तु मगल्यान सोर्का म्हुण तन्नि पाय धर्लो। गान्धीजी खंत्तयि हल्लता। तस्सि दोग्गानीयि मीट धान्य सोळ्ळें। कस्तूर्बान प्राण प्रतिसन्धि क्रमान तारण केल्लि। पूर्ण स्वास्थ्य जालीं।

❋

एक शब्द-विस्तार अर्थ-परिचयरूप

- नागेष अण्वेकर, कारवार

मरण	ब्रह्मैक्य	लिंग्यैक्य
निधन	कैलासवासि	अंत्यकाल
अंतरलो	भस्मीभूत	यमान आपैले
स्वर्गस्त	अगोचर जालो	परंधाम जाले
देहांत	इहलोक सोण गेलो	परलोक गेले
अंत्य	यमलोक चमकलो	मुक्ति जालो
शिवैक्य	जीवनमुक्त	वैकुंठवासि

चौपदी

- एन. सदानन्द कम्मत, कोच्वी

अब्बोन ओयिले रूक
फळॅ खंचाक मेळता
आजि मक्का
हांवे ओम्चें रूक्का फळॅ
नत्तूरांक मेळतले फायि।।

14 आधिदैविक

(श्रीलिङ्गपुराणानुसार)

1. सूर्य
2. दिशा
3. पृथ्वी
4. वरुण
5. वायु
6. चन्द्र
7. ब्रह्मा
8. रुद्र
9. क्षेत्रज्ञ
10. अग्नि
11. इन्द्र
12. विष्णु
13. मित्र
14. देव प्रजापति

"भांगरभूंय" कोंकणी दिनपत्र वच्चायि ओणलैनः
epaper.thegoan.net

जय जय वेंकट रमणाक

- के. अनन्त भट्ट, कोच्वी

जय जय वेंकट रमणाक। जय जय संकट हरणाक।
नायकु तूं कलियुग वरदाक, वन्दन तुगेले चरणाक।।प.।।
चारीयि युगांतु अवतारु घेवचो, भक्तांक राकून काडचो।
हरण कोर्नु दुष्कर्म अधर्म ते, धर्मान शान्ति हाडचो।।1।।
प्रत्येक गांवांतु प्रत्येक नांवान, वेंकटेशु विराजमान।
अत्यन्त प्रीतीन पावता तो तांका, भजतले जे प्रेमान।।2।।
करुणा कटाक्ष करि आमचेरि, वेंकटरमणा देवा।
शरण तूं आमकां म्हणता अनन्तु, करताति तुझि सेवा।।3।।

कोंकणी खबरेक
चोय्यायि/पळेयात
facebook
कोंकणी केन्द्र-गोश्रीपुर

साहित्य अकादेमी * 9.1.19, मानस नाषणल पार्क, बन्सबारी, भक्सा, बोडोलाण्ड, आसाम :- 8-9 जनु. 2019 क साहित्य अकादेमी अनि बोडो रैटरस अकादमी आयोजित "All India Multilingual Poets' Meet" न्तु कोंकणी प्रतिनिधि नील्बा खांडेकर अस्सिलो।

* 12.1.2019 केपें महाविद्यालय (गोंय) :- साहित्य अकादेमी आनी कोंकणी विभाग सरकारी कला, विज्ञान आनी वाणिज्य महाविद्यालय केपें गोंय, नीज कलाकार, आंबावलीं, द केपें मल्टिपर्पज कॉ-ऑपरेटीव्ह सोसैटी हांच्या जोडपालवान "गोंयचें कोंकणींतलें मौखीक साहित्य" ह्या विशयाचेर एक दिसाचो राष्ट्रीय परिसंवाद आयोजित केल्लो।

* 21-22 जनु 2019, सेन्ट गोनसालो गार्सिया आर्टस एंड कॉमर्स महाविद्यालय वसई :- हन्नि अनि साहित्य अकादेमी एकडे मेळ्नु "परिसंवाद अनि सुप्रसिद्ध भारतीय साहित्यकारांचेरि डॉक्युमेंट्री फिल्म्साचे स्क्रीनिंग" आयोजित केल्लें। कोंकणी प्रतिनिधि प्रकाश पर्येकर अनि दामोदर मावजो अस्सिले।

* नवि दिल्ली :- साहित्य अकादेमीन "साहित्योत्सव" 28 जनु - 2 फेब्रु 2019 कार्यक्रम घडोवन हळ्ळें। 29.1.19 क साहित्य अकादेमी मुख्य पुरस्कार 2019 वितरण जल्लें। कोंकणी प्रतिनिधि परेश नरेंद्र कामत। 31.1.19 क युवा साहिती - "नई फसल" (युवा लेखक सम्मिलन) कार्यक्रम जल्लें। कोंकणी प्रतिनिधि जयेश राउतं (कहानी पाठ विभागान्तु)

* 10.2.19, श्री हरिवेंकटेश हाळ (एस. एस. कलामंदिर) रेल्वे लिंक रोड, कोषिकोड :- साहित्य अकादेमी आनी कोंकणी भाषा प्रतिष्ठान, कोषिकोड हंगेले संयुक्ताभिमुख्यारि "साहित्य मंच" कार्यक्रमु घडेय्लो। "कोंकणी कविता सांज" विभागान्तु शरतचन्द्र शेणै, आर.एस. भास्कर, स्मिता शेणै अनि एन. बालकृष्ण मल्या हन्नि भागु घेत्तलो। कार्यक्रमान्तु दवोर्नु "हें पुरातन किन्नरम्" पुस्तकाचे प्रकाशनयि जल्लें। ह्यें ONV कुरुप हांगेल्या वेंचकि मलयाळम् कविता संकलनाचो डॉ. एल. सुनीता बाई हन्नि केल्लोलो कोंकणी अणकारु। बालगोपाल टी. एस. प्रभु हंगेले अध्यक्षपणांतु जल्लेले ह्यो कार्यक्रमान्तु पय्यनूर रमेश पै हन्नि स्वागतयि चन्द्रबाबु यू शेट्टी हन्नि उपकारूयि संगलें।

26-1-2019 रवीन्द्र भवनाच्या ब्लॉक बॉक्स, मडगांव :- मडगांव गोमंत कला असोसियेशनान उच्च माध्यमिक विद्यार्थ्यां खातीर अनि इतर विभागा खातीर स. अशोक सदानंद बोरकार यादस्तीक स्वतः बरयिल्ली कविता वाचन मत्सरांचे आयोजन केल्लें।

कोंकणी - മലയാളം - English

- शैलेष कम्मत. एम., कोच्ची

दीगु/रूदु/सुलुम्बु - ആജാനുബാഹു - Well built (Man)

सप्पूरांगेलो/सप्पूर/रि - തീരെ വണ്ണം കുറഞ്ഞ/മെലിഞ്ഞ - Too lean

दीगु/गि/ग - നീളമുള്ള/പൊക്കമുള്ള - Long / tall

रूँदु/दि/द - വീതിയുള്ള - Broad

थोरॅ/रि/रु - തടിച്ച/വണ്ണമുള്ള/കൊഴുത്ത - Fat

सुक्कॅल्ली/ल्लें/ल्लो - ഉണങ്ങിയ/ശോഷിച്ച/മെലിഞ്ഞ - Lean / Dry

हृष्ट-पुष्ट - ബലിഷ്ഠമായ/തടിച്ച/ധീരമായ - Stout

गुड्डो/ड्डी/ड्डें - കുള്ളൻ/ത്തി/പൊക്കം കുറഞ്ഞ - Dwarf (Man/Woman/Thing)

गुड्डेम्बरॅ/रि - കുള്ളൻ/ത്തി - Dwarf (Man/Woman)

दिग्गम्बरॅ/रि - പൊക്കമുള്ള - Tall

दिग्गूर्स - നീളമുള്ള - Lengthy

विश्वासाचे बल

- कु. अञ्जली किणी, कोच्ची



असिल्यां चांग फूल
तो तुण्टोवनु व्हरता
ते क्षणारि सगळे झाड
रब्बूनु कडकडेता।

काळ वत्ता तकीत
नवी अंकूरी फुल्लेता
चक्र घुंवता तशीचि
झाड ऊंच वड्डता।

कर्मा पट्टलि केद्दाण रित्ती
प्राणु तव्वलि देह सोडता
मगलान पळ्ळेले मित्र बांधवालो
सगळो लोकु उंति पडता।

विश्वासाचे केवले बलान
जीवन मुक्कार सरता
समयाक सग सोणु दित्तेरि
नेणतना घाय भरता।

कोंकणी प्रसारण - आकाशवाणी कारवार : (सग्ग विरेस्ताराचे संजे 5.00 - 5.30)
धारवाड (765 Khz) MW: (सग्ग सोमाराचें रत्ति 10.00 -10.30 जाई-जूई कार्यक्रमु)
तृश्शूर (630 Khz) MW, कोपिकोड (684 Khz) MW : (मंगळाराचे संजे 5.00 धोर्नु 5.15 पर्यन्त)

बायलाँ खातिर (ददल्यांकय) - उषा आर. भट, हैदराबाद

सामग्री

1. मौळिंगाचे (पंपाळमुसाचे) तरणे पल्ले - 5
2. अक्षाफुल्लांचे पत्तियो - धा फुल्लांचो
3. गुलबा फुल्लांचे पत्तियो - धा फुल्लांचो
4. दसुणे फुल्लांचे पत्तियो - धा फुल्लांचो (गंवचे तंब्डे व्होड पांच पत्तियांचे)
5. सानु पीयावु - 5
6. चिंचांबा रोसु - 1 चिपट (ना जल्यारि एक 'टोमाटो' कोच्चोलु)
7. जीवि मिरसांग - 5 (चक्र कोरनु सिन्दिल्ले)
8. मीट, करबेवापत्ति, हळदी पुड्डी, हिंगा पिट्टो ना हिंगा उद्दाक, उणेचि
9. तेल, सस्सम, उडदा दाळि - फण्णाक

पल्लेयि, तिन्नीयि फुल्लांचो पत्तियोयि सिन्दूनु कोच्चोलु कॅरका। सानु पिय्यावु कोच्चोलु कॅरका। तेल्लान्तु सस्सम भेत्तीर्तॅरि, उडदा दाळी घालनु, हर्वण्टाणि वत्तॅरि, पिय्यावाचो कोच्चोलु, चिंचाबाचो रसु, जीवि मिरसांगे चक्र कुटके, करबेवा पत्ति, हळदी पुड्डि आदि घालनु भज्जूका। हन्तु फुल्लां-पल्यां कोच्चोलु घालनु चाळनु खाल काडका। हिंगा पिट्टो ना हिंगा उद्दाक फप्पूड्का। खरखरी वट्टून काड्का। (तिक्साणि चॅड तरी जल्यारि गोड्डाचो सानु एकु कुटको तस्सूनु घाल्यात।

* कर्नाटक राज्यान्तु, दक्षिण दिक्कारि तुळु, कोंकणी जनांचे भरसी यी चटणी प्रचुर प्रचलित असता। थोडीं जन चिंचांबाचे रोसाचे बदलाक चिंचांबा रुक्काचि तरणि अंकूरि एक मूष्टि घलतातिं।



सुभाषित



प्रो. के.एन.आर.भट
कोच्ची

"कन्दूकी भित्तिनिक्षिप्त इव प्रतिफलन्मुहुः
अपतत्यात्मनि प्रायो दोषो अन्यस्य चिकीर्षतः।।"

- कथा सरित्सागर

कस्सिकी वोण्तीप्रति (at brick wall) मरलोलो पेलु (Rubber ball) तेचि बलान मरलेल्या प्रति पोरतूनु एत्ता; त्याचि लेकान इतरांक दिल्लेले द्रोह, केल्लेल्यांकॅचि खंडित फाटि घेत्ता।

एक प्रयोजनप्रद कोंकणी वेबसैट :
konkaniwordnet.unigoa.ac.in

आळें (കടങ്കഥ / Riddles)

'कोण दिक्कूनत्तिलें तो एत्ता !
कोण दिक्कूनत्तिलें तो वत्ता !
जल्यार एव्नु गेल्लो म्होणु कळता !!'

वारें

चेर्डुवांलि चित्रँ





कु. श्यामराज एस. भट (12) । कोच्ची शिवानन्द आर. भट अनि सुजाता हांगेलो सुपुत्र ।

FORM IV (See Rule 6)

1.	Place of Publication	:	Kochi
2.	Periodicity of Publication	:	Monthly
3.	Printer's Name	:	Suresh A.Shenoi
4.	Whether Citizen of India	:	Yes
5.	Address	:	Editor, Spandan, C/o. Kerala Konkani Academy, 8/ 28, Santheri, 1st Floor, Opp. M.S.C. Bank Ltd., Cherlai Road, Kochi - 2
6.	Publisher's Name	:	Suresh A. Shenoi
7.	Editor's Name	:	Suresh A. Shenoi
8.	Name and Address of Individual who own the news paper and partners or share holders holding more than one percent of the total capital	:	Kerala Konkani Academy, 8/ 28, Santheri, 1st Floor, Opp. M.S.C. Bank Ltd., Cherlai Road, Kochi - 682 002.

I, Suresh A. Shenoi, hereby declare that the particulars given above are true to the best of my knowledge and belief.

01-03-2019 Sd/-

उपकारस्मरणा

- वसन्तकुमारी पी. एस., कोच्ची

एकु कर्षकु। तक्का एक गड्डव अस्सिले। एक वर्षाक पावसु नत्तिल्यान कृषि नाशु जल्लो। घरान्तु बयलेक-चेर्डुवांक खवंचाक कांयि ना। गडवाक भुक्केक घालूकयि तज्जे लगि कांयि ना। गड्डव चिन्तन करता, "पाप यजमानु कष्ट कड्ता, इत्ति कॅरप?" एदि घडि वच्चानीक भूक सहन जाव्नत्तिल्यान गडवान बोब घालूक आराम्बीले। सेज्जारि अस्सिल्यानि कर्षकाक सीरापूकय आराम्बीले। एकल्यान ते गडवाक खंयि व्होर्नु परॅ घालि म्होणु संगीले। कर्षकान गडवा गॅळ्याचि दोरि मेक्कोळ्नु "खंयि वोच्चूनु जीवन काडि" म्होणु तज्जे लग्गि संगीले।

तो धावनु वोच्चूनु एक रावन्दयकाये गद्यान्तु पवलो। भुक्केन मेळ्ळेले सग्ग खेल्लें। ह्यें दिक्कून धनियान तक्का धवंडाव्नु घल्लो। तेचि समयारि रय्यापूतु एकु घोड्या फट्टीरि एत्तालो। एदे चोरांनि तक्का धोर्नु बन्धूनु घल्लो। रय्या लगि लेक् उल्लोव्नु दुड्डु काणु घेवुं म्होणु तंचे मनान्तु दिसलें। ते समयारि तं गांवकारि गडवाक धवण्डाव्नु घाल्नु एत्तालिं। गांवकाराक दिक्कूकयि चोर रय्यापुत्ताक् सोणु धाव्नु गेल्ले। गड्डव पस्सावत तग्गेलो जीवु रक्षण जल्लो म्होणु संगूनु रय्यापुत्तान गडवाक मारूक दिल्लोना। तो ते गडवा फट्टीरि चोणु गेल्लो। गडवान समचि तक्का कर्षकाले घरकडे व्हेल्लो।

"ये गडवान तं मिग्गेलो प्राणु रक्षण केल्लोलो" म्होणु संगूनु कर्षकाकय, कुटुम्बाकय रय्यापुत्तान रवळरान्तु व्होर्नु एक घरयि जांवका जल्लेल सामग्रीयोयि दीव्नु तंका थंगा रबेय्लिं। "ये गडवान तं मक्का भाग्य हाणु दिल्लेले" म्होणु संगूनु कर्षकु गडवाक चां कोर्नु चोयतोलो जल्लो।

रस्पति - आर. के. प्रकाश, पळ्ळूर



Dr. P. N. N. सिंह
डॉ. प्रश्नु ना नरसिंह
SSLC, PDC, BSc.,
MBBS (3 times)

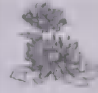
गुड्डो वासु - डॉक्टर, मक्का देह आसा चांग। जाल्यार दिगाइ ऊणे। चेर्ईव गुड्डो मामु म्होणु खेळु करतायि। मक्का अमिताब वच्चन जाँका ! साध्य वे ?

डॉक्टर : प्रश्नु ना, वखद जाँका म्होणु ना। न्यूस पत्रारि विज्ञापन गल्यार पूरो। नांव परतून मेळतलें।

* * * *

सरस्वती : डॉक्टर, प्रियंगा चोप्रा वरि सैन्दर्य मेळूक इत्ति कोर्का ?

डॉक्टर - प्रश्नु ना, वखद दित्ता. निर्देचाक। सपनान्तु प्रियंगा जालेना जाल्यार पेयिन्टर गोपालीक दिक्कूनु वैटवाषाक ओरडर दी। तेंचीत रक्षा।



परणी म्हणणी

- श्रीदेवी सुरेश प्रभु, कोच्ची

* चेर्डाक हल्लॅडि दोवोर्नु
गाँवु भॅरि सोद्द्चें।

* चेर्डान मग्गूकयि नज्जॅ,
तण्डूळ सॅरूकयि नज्जॅ

* चेर्ड्ंु जंगेरि हग्गीले म्होणु,
जाँगॅ कत्तोर्चे वें ?

* चेर्डाक ना तीनि कासॅ,
उव्वाळ्नु उड्डोवँचाक सॅ कासॅ।

* चेर्डा नावानॅ न्हाणॅ,
बमणा नावानॅ जेवॅणॅ।

अख्किल्लि रस्पति

एकलो देवालगि :- चेल्लीयो इतूले चन्द कोर्नु हस्सतायि, उल्लेयतायि ? जल्यार, बाय्लो कोप्पान, फडफडेन्नूचि अस्सयि।

देवु :- चेल्लियांलि सृष्टि केल्लेलि हांवें। तंका बाय्ल केल्ली तुम्ही। तुम्गेलें स्वभावान न्हवें तीं तस्सि जल्यायिं ? हांवें इत्तें करप ?

कोंकणी नाटक ❋ श्री शान्तादुर्गा देवस्थान सभाघर, सांतेरि भाट, वळवय (गोंय) 22-27 जनु 2019 :- गोवा कोंकणी अकादेमी, श्री शान्तादुर्गा सांस्कृतीक मंडळ सावयवेरें-वळवय हांच्या जोडपालवान 25 वे कोंकणी नाटक महोत्सव घडोवन हळ्ळें। नाटकँ - शुभमंगल सावधान, लग्नपिर्शे, पयशांनी काळीज विकलें, अस्तुरी थाव, आज्याची काणी।
❋ रवीन्द्र भवन, बायणा स्वातंत्र्यवीर सावरकर प्रेक्षकघर, वास्को :- कला अनि संस्कृती संचालनालय, पणजी, पश्चिम विभाग सांस्कृतीक केन्द्र उदयपूर आनी रवीन्द्र भवन बायणा वास्को हांच्या जोडपालवान "नाट्योत्सव 2019" (विविध भाषी) चे ओयोजन 22-26 जनु. 2019 क जल्लें। 24.1.2019 कोंकणी नाटक "आय लव यू" अस्सिलें।

पुस्तक प्रकाशन 04.02.19 (राजभास दीस), गोवा कोंकणी अकादेमी :- 1) "इंग्लीश-कोंकणी समानार्थी-विरुद्धार्थी शब्दकोश" (संपादीत डॉ. वामन नायक) 2) कोंकणी आनी मराठी हांचो तुलनात्मक विमर्श (अनुवाद रमेश लाड) 3) अकादेमी प्रकाशित "अनन्य" (अर्द्धवार्षिक) - 7 वें अंक।

2019 फेब्रु 2-3 तारिकेक काणकोण (गोंय) राजबाग वाठारांतु मॉलेमा रिसोर्टान्तु दोवोर्नु 24 वें अ.भा.कों.साहित्य सम्मेळन जल्लें। वेदीर केरळ कोंकणी अकादमीचे "स्पन्दन" मासिकेचे 100 वें अंकाचे प्रकाशन अनि मुखेल संपादक सुरेश ए. शेणै हंका आदरुयि केल्लो। परिषदाचि स्मरणिका (साहित्य मांड), एन. बालकृष्ण मल्या ("आत्मगत"-कविता), संदेश बांदेकर ("अनवाणी" - मराठींसून अनुवाद), उषा राणे ("हलपोवणी"), ग्वादालूप डायस ("हांसल्यार जाता ?"), सुशीला हळर्णकार, रजनी भेंब्रे हंगेलीं पुस्तकंयि प्रकाशित केल्लिं। संमेळना निमतान साहित्य परिसंवाद, कवि संमेळन इत्यादि कार्यक्रमान्तु केरळान्तु थकून डॉ. हरीन्द्र शर्मा, पय्यन्नूर रमेश पै, आर. एस. भास्कर, पी. एन. कृष्णन, रामकृष्ण किणि, विजयन के. हान्नि भागु घेत्तलो। 40-45 केरळचे इतर प्रतिनिधियानि संमेळनान्तु भागु घेत्तलो। सांस्कारिक कार्यावळीयि अस्सिल्लि।

20.1.19 पद्मगिरि कलाकुटीर कासरकोड :- रंगचिन्नारि कासरकोड हंगेलो "कोंकणी एदरु कन्सानि" कार्यक्रमु जल्लो। कोंकणी सांस्कृतिक संघ-मंगळूर, जी.एस.बी. महिळा संघ-कासरकोड अनि कन्नडा अनि सांस्कृतिक विभाग-बंगळूरु हंगेले सहयोगान तँ ह्यो कार्यक्रमु घडेय्लोलो।

विकारी नाम संवत्सरा फल

- एन. माधव रावु, कोच्ची

शनि अनि गुरु धनु राशीरं स्थित जाव्नु असचे 2019 एप्रिल मास 6 दिवस, शनिवार रेवति नक्षत्राचेरि विकारि नाम संबत्सरु आरंभु जत्ता। प्रभवादि संवत्सरान्तूले 33 वे संवत्सर तं ये वर्ष।

विकारि नाम संवत्सराचे फल :-

"जनाः सर्वे सरोगाः वृष्टि पीडिताः स्वल्पवृष्टिः

अन्योन्य वैर्यं, सस्यनाशं, अल्पवृष्टिः, अनावृष्टिः इत्यादि फलम्।"

विकारि नाम संवत्सरान्तु रोगु, स्वल्पवृष्टि, अनावृष्टि, जन अनि जन जाव्नु वैर्य जोडप, सस्यांक नाशु, राष्ट्र अनि राष्ट्र जावनु युद्ध, धान्यांक, भंगराक मोल चडप, राज्यान्तु अनीति वड्डप इत्यादि फल।

विकारि नाम संवत्सरांतु जन्मा एंवचे जनांक रक्त सम्मर्द (B.P.) रक्तवर्णांचे दोळे, पित्त प्रकति देह, वनान्तु रबचाक इष्ट, धन नत्तिल्लोयि जाव्नु असचे फल।

विकारि संवत्सराचे वैशाख, जेष्ठ, आषाढ, श्रावण, कार्तिक, माघ, चैत्र महिनेन्तु साधनांक मोल चडतने। भाद्रपदा, फालगुनि ये महिनेंत मोल ऊणे जत्तने। अश्विनि, मार्गशीर्षा, पौष्य महिनेंतु मोल स्थिर जाव्नु अस्तले।

शूल फल :- पुष्य, आश्लेषा, मघा नक्षत्राच्यांक धन द्रव्याक क्षयावस्था, रोग इत्यादि फल। अनुराधा, जेष्ठ्र, मूला नक्षत्राच्यांक कुटुम्ब कलह, वाहनापकट, द्रव्यनाशु फल। उतरा भाद्रा, रेवती, अश्विनि यें नक्षत्राच्यांक अग्निभय, वाहनापकट, रोग इत्यादि फल।

वर्लेले 18 नक्षत्राच्यांक सत्कीर्ति, राज बहुमान, कर्मपुष्टि इत्यादि गुणानुभव जत्ता।।

Reg. No. KERKON/2012/45527
Vol. No. 8 Issue No. 3
Rs. 5/- No of Pages: 20
SPANDAN
Published by : KERALA KONKANI ACADEMY, KOCHI
Registered KL/EKM/732/2018-20
Licence No. KL/CR/EKM/WPP-22/2018-20
Licensed to Post Without Prepayment
Date of Posting 10. 03. 2019

Printed and published by Suresh A. Shenoi on behalf of Kerala Konkani Academy and Printed at M/s. Prakash Process, Srinivasa Mallan Road, Ernakulam, Kochi - 682 035, Ph: 2350960 and Published at 8/28, Santheri, 1st Floor, Opp. M.S.C. Bank Ltd., Cherlai Road, Kochi - 682 002. Editor - Suresh A. Shenoi